

160
Songs /
Buddhist

ASHA ARCHIVES

2851 I

विनिमयदविमिहवनपविष्ठा ॥ पूर्वउह
पश्चिमदक्षिणहवनरजकिनिदीपिनिबडसिकै
वाजिनि ॥ ॥ वतुनदिगयतुक्ररुलदविशे
निविनिदविनावनुदवि ॥ ॥ हनिहनवुक्का
दुम्भसूत्रगद्यशपाउश्यागिनिमनसंलव ॥ ॥

२ नमस्तुते

ॐ नमः श्रीवक्रसम्भवाय ॥ ॐ नमः श्रीपद्मनृत्य
स्थवाय ॥ नखापनासेनरुः तिनयनमहितावक्रमा
ननकगमति ॥ वावाहिमूलदायां सपत्रविदत्रिर्गनाग
नोथं पत्रायां ॥ सखेष्टद्वीगयासो ननकमलजासीना
वामदारिवदुर्हि ॥ सर्वकर्हि तिसूलपत्रसुउमनूकं ॥
विरुवकं हनूकाषां ॥ ॐ नमः श्रीपद्मनृत्यस्थवाय २

२ गोपमाला

॥ ॐ नमः श्रीवक्रसम्भवाय ॥ यनात्रागद्वय ॥ धवल
सुधर्मय ॥ गाव ॥ कमलवने ॥ कला ॥ समदि
नरुजा ॥ गा ॥ सहस्रकने ॥ कला ॥ तिनवलरु
षिना ॥ गा ॥ देहधने ॥ कला ॥ तथगासंयुक्तं ॥ गा ॥
समलानमन ॥ कला ॥ समनसंलवे ॥ गा ॥ समा
धिगुधा ॥ कला ॥ नृदयज्ञान ॥ गा ॥ कनूक्षल (ग) ॥

२५ श्रीदश २५

कला ॥ मृदिगविकासित ॥ जा ॥ धर्मतनू ॥ क ॥
जिह्वनरुयंरुयं ॥ जा ॥ कुशलिक ॥
सन्त्यगिबजसत्यनमयुनू ॥ जा ॥ वागमन्ध्रि
॥ गालपवम ॥ धर्मादयामंगतकामनूपि २ संयातयू
॥ कंदकलाविलाशि ॥ ॥ जिनेन्द्रमागाजिनसूदनी
त्वां ॥ ॥ नमामिगात्रकूलिगज्वनीत्वां ॥ ॥ वा

२६ श्रीदश २६

गमन्ध्रि ॥ वामकननषयत्रपाथानत्रहिन्दिया २
वजकनमृष्टिदृढमात्रवदुदगन ॥ ५ ॥ जिह्वंगना
मलजिह्वंगनामिनाटनावेहवजनाया २ नीलवर्कति
लकल्लयासत्यवजसूकनू ॥ ॥ नकप्रियला ६
वनविकनसूवदन २ ललललितजिह्वसूहणसून
वदन ॥ ॥ मृदयदगपित्रयिघनवगधसूकाया २

२७ पृष्ठ मथानि २७

गगनमयसर्वत्रिहासवदन ॥ ॥ हलयिसंहल
घनवाजयिउमनूरहनयिभिरगसामिनिहिरवन
सहनव ॥ ॥ नागमालगि ॥ गालमाथ ॥ विषूत्रप
मथनिनविनकनापि २४ मालिगलसूत्रतजगमा ॥ ॥
ॐ ॥ हदिकधुमिजसाउदितसूनाहि २ मूनहागइकी
उक्तियागि ॥ ॥ नदितसूत्रपिगीद्यसूत्रयि २ नूधि

२८ पृष्ठ मथानि २८

नयवन्नयत्रितवक ॥ ॥ ननेकायद्यधिनकूलिग २
नदहनवाषकूँपायपीयूषं ॥ ॥ षड्सफवकरुम
निठिना ३ २ मूनानामाद्यसमहासूत्रदाना ॥ ॥ नाग
लास ॥ गालरुति ॥ कूँकूँकूँकूँकूँदहधनू संसानननूरुह
दात्रालिगलयागधनू ॥ ॐ ॥ हवजागुक्राननाकूँनना
कूँ ॥ ॥ सूत्रननवदनवनलमनूरुसूत्रमविलप

ननु सकने ॥ ॥ एव विमकुठ विगहसा २ तु क्तु म
 तुलभाकाठियाल ॥ नानमापिनमामिगीह वजुतु
 २ तुलतुलभापिथियान ॥ ॥ नागविलास ॥ नालु
 नि ॥ धनधनदधनधनधन २ धनयधनयवकी
 सील ॥ ॥ मर्दमर्दवजधृसमय २ कन्दन्यागसवि
 नवने ॥ ॥ कनकनवजधर्मसमय २ लाभालालि

कसमय ॥ ॥ कलुकलुनीदहधने २ ससनाकनवि
 कमलवने ॥ ॥ वजसूर्यभाज्ञानमा २ विधमयसने
 सदानमहं ॥ ॥ नलधकवनवजगीने २ कष्टिक
 कमलधने ॥ ॥ गम्यननिग्यलावधने २ गम्यननि
 नलावधने ॥ ॥ उहिउहिजिनजिसुगन २ कायनिव
 धनभावकधने ॥ ॥ रुजोपशधृसुगन २ मवलमधि

घाषं. कालवकं. हवजसंवन्. विश्वनूपं २ पयिपदम
 संजाग. संहवनिश्चिना. सहजमानदमयज्ञाननूपं ॥ ॥
 वजपथं कसन. कंकमनृहगन्. नामसंगीती. मृक्षयथा
 नं २ गगनदः खनागनं. वाधिरुलदायकं. जागधर्मभाज
 लावनीनं ॥ ॥ गुनवाक्यदृढधनिया. मृद्वपवनकं वि
 या. महिमखचक्रुतादिधनिया २ वउवकपात्रसं. लीन

२ मथोत्रिप ३१

पनमज्वनं. सनजरमभाजूवाजहहवनं ॥ ॥ स्वप्न
 मायासदृश. लावयनिहावयं. वृद्धधर्मसंघ. सनक्षगमि
 यं २ गुनवजस. सिन्यंधनिया. गवकिस्ननवज. जन्म
 जन्मभाजूवृद्धसनक्षं ॥ ॥ नागवसनक्ष ॥ मधुनिय
 त्रिपूना. दयिनिकुमाना २ सकलदवदेत्यवदिनपाद
 ॥ ॥ ॥ मेणीमादिवृद्धीमंरुकुमाना २ लंमृहिवदि

तपस्यन्त्यश्चन॥ ॥ कंकुमन्वित्राहन्वित्रविष
 माश्नूयागंतीनकन्त्यविहाने॥ ॥ विषयविषम
 कूटपात्रगमनसर्वविश्वव्यापिनगिवगुन्त्यर्थ॥ ॥
 सनगुन्त्यपत्रमाद्यविन्दुमात्राश्च २ गमवन्तिवगीतपत्र
 नकुलिश॥ ॥ नागहेत्रवि॥ नातुर्दुर्मान॥ नमा
 मिश्रजिनधातुनैकनदकवतुनमन्तिशालिगिता २

२२

पक्वज्ञानपंचधातुस्वनूपावृद्धधर्मशालयश्चन॥ ध्रु॥
 तनादुंरुंरनादुंरुगगसंज्ञानउधनियामनाहननमा
 लुनमास्तुपंचजिनश्चन॥ ॥ नमामिश्रीशक्तिपू
 नेश्वनमद्विसिद्धिवनदायनिश्चनितहननसर्वपा
 पकुर्यंकनदानपूष्यतुहमीरूपद॥ ॥ नमामिश्
 धर्मधातुवागीश्वनषादशद्वानपनिमलितारथा

दशहा नक्षत्र नक्षत्रका ना सर्वद वपत्रिम विता ॥ ॥
 नमामि श्वागीश्व नमस्तु लपन्न गिनि निवा गिना २ सत्व
 विमाहिन दः विना सन पुन नमामि जिन वकु श्वना ॥ ॥
 नागनाट ॥ तालमाथ ॥ पातल कान गत्र न्ना नाधिया ल २
 सिद्धया गिनि वन्धु दहन नन्दु दव ॥ ध्रु ॥ नमामि श्वा
 लोक मन्त्र विद्व ननाथ २ क न्ना मय जगत उधानी

॥ ॥ हनिह नवु क्का न्ना दिग पा ला २ नाग यद्ग गल व
 दित व नला ॥ ॥ ३ क्क न्ना क पा प ह नला २ व्या धि
 दानि ड दः खल य ह नला ॥ ॥ सुखा वति ह व न धर्म
 न नला २ श्री लोक श्व न न्ना न्ना न नला ॥ ॥ सुखा व
 ना नं पत्रि न नक्षत्रं पु लं व क र्क व म्द द व र्का २ का पि न वा
 सा सु वि भा त विं ना म ह्ना न ना गं सु वि भा त मूर्ति ॥ नाग म ह्ना

ल॥ गालुगि॥ गन्धमलुसमध्वंका न संज्ञाता २ दित
 म्रुकमखपृथीविदवि॥ ५॥ ॥ नृक्षहिमहृदविपृथी
 विमाता २ सर्वजलसंपूर्ण हृषितदवि॥ ॥ पीतवर्क
 सोम्यनूपिदवि २ सद्योममृहयंकनलाकसंगानधी॥ ॥
 कनकहृदयठवामकनधानधी २ सद्योका न हयंकन
 लाकसंगानधी॥ ॥ दिवा लंका न हृषितदहा २ हान

मृनपूत्रनिर्घाषवसूधना॥ ॥ नागधनायी॥ गज
 मखविनयनतांदवपदवत्र नृत्याधियनिगलध्वना २
 हलममिमृक्ता नला हनधननधकिननसंकासा॥
 ५॥ ॥ मालियाविद्यामालियादर्यमालियादःखविदा
 नधं २ मालियामाया मानसंगता मत्रवपमृदितनासि
 ता॥ ॥ पनगुवाधं कृशवज्रखरुहिष्ठितपालमृनि

दहिनकनाश्मस्त्रधनखड्गगर्षपञ्चकञ्चकञ्चिवाभ
 ॥ ॥ विविधवस्तुकञ्चकटिचोसाज्जटाशृङ्गमणिमहिम्न
 नाश्मकाञ्चधितलम्बादञ्चसारुपायलकिमिफिमिवा
 शृङ्ग ॥ ॥ जत्वारुञ्चधृञ्चत्वाकलिगामूखिकमूखम्
 निसूयनाश्दीनादत्वात्वमसूखदातानमस्तु २ ग ॥ अथ जा
 ॥ ॥ वागर्हञ्चवि ॥ नालुङ्गनि ॥ पूर्वदिगम्बनवचा

२ पूर्वदिगम्बन ३ ग

यग्मगानन्दविवक्षायनिहंसासनिश्चलञ्चदिगम्बन
 गङ्गाञ्चगमगानन्दविन्दायनिवृषवाहनि ॥ ५ ॥ ॥ हञ्च
 वमहाकालगलयनिकुमानविनरुतुपालयक्षयक्षनी
 २ पूजियानममन्त्रित्विन्धुनाबोसथिथागिनिमा
 हगङ्गाश्चोडहवनगीभूषणमगानन्दतपुनपिभायग
 म् ॥ ॥ पश्चिमदिगम्बनकालाङ्कमगानन्दहं द वि

ना २३ ईषक लिगा पिंगल के मउ नम कह सा क न्धमय
 ॥ ॥ क न गि के पा ला भ निख डंग म नाग व ल य नाग कू लु
 ल हा वा २ नाग गिल सि नो प न ना ग म म्ख नाग आ ह न द स
 (म हा ॥ ॥ कि न व ल मो लि ध मि न म ना व ड सा स न स
 न क क वी ना २ पु ना नू टा नां द व ल वा सा स न क लि सा म् न र
 न स न द ॥ ॥ ना ग वि रा स ॥ का ला ० थि या वा ल म् म्

२ को ला ० ३२

ल कं का ला २ घ न कि पी ० हा व ज ० क न् (स कि या ० न ला
 ला ॥ ध ॥ म ल य न क द ल डि लि मा न हि ना द व ज ॥
 न हि र नू षा न ग म ध म य ना पि व ० आ ० ॥ ॥ हा लि
 का लि न ल प व न द न्द नू व ज ० आ ० ॥ ॥ व उ स म क
 सु नि सि क्का क र्प ला ० आ ० ॥ ॥ म ल य ० न्ध न सा लि
 न ल न हि र नू षा न आ ० ॥ ॥ पु रु ष ख ग ल क नं ग स

धासुद्धमनः ॥ ॥ नीलाशुभमंगवस्तुवः ॥
 हिंस्रसूत्रापानः ॥ ॥ वागहं न वि ॥ ॥ जयं जयवाच
 लिप्तयलसुद्धमि ॥ ॥ खयदः खसंहानि ॥ ॥ ॥ तुकाय
 मलं कलषविनासिल ॥ ॥ नाषदुनासर्वनासिल ॥ ॥ त
 नरुनभूतनरुं कालसंज्ञानिलबाल ॥ ॥ किमजलया नि
 लदहापलक ॥ ॥ किनरुनसि निलवज्जगिनी ॥ ॥ ॥

५ प्रथमामिन्द्रयवाचति ॥ ॥ विहवनतुकायकदवि ॥
 यं जयं हाउभारननतुकायकनठिकया लबालधाल ॥
 ॥ ॥ धंसः रुमनिलमूनल ॥ ॥ अष्टमहालय निलबाल
 ल ॥ ॥ ॥ जयं जयं लुडसमभन ॥ ॥ पिधिगीवेनूडननसिल
 माला ॥ ॥ ॥ विनियम्वलाकिन ॥ ॥ रुगतकलषनाधालि
 ल ॥ ॥ ॥ जयं जयं नाषदुजगतसंज्ञान ॥ ॥ नानाभूषकासि
 ता ॥ ॥ ॥ वागमन ॥ ॥ जयं जयं वाच विहन्वधननी ॥

सयलसूत्रनवजवदितववना॥ ध्रु॥ नरगवनिपादक
मलमहिमलीलनउलघल्लुडलालादंतहाउआरवन
विहृषितनउलघल्लुडलालाः छिनिछिसिछिनयननय
नाछिनयना॥ ॥ कननिकयालयिवनंदवननसि
नमाला१कननिखडांगवलमकूठकभा॥ ॥ सिन
ससिंधूननयनकजलरुलजाला१कलुनीकर्णनर

लयितंवाला॥ ॥ गवनिस्त्रनवजवदितववन
१पुक्षमामिहवसहजाननद॥ ॥ नागकावलि
॥ कालमाथ॥ सर्ववृद्धविवृद्धमद्युताविश्वमालानिद्धद
नि१वजमंदितवजजागिनीकालदलागलिलावना॥
॥ ध्रु॥ नमामिवाहलिसिद्धिजागिनीगलमद्युता१
भूक्तमदिसमसिद्धिजागिनीविश्वमालाविखलुता१

१सर्ववृद्ध ४२

॥ आदि नमस्तुल नरुसमसुदीपमा लासुतीरुना २ वकी
 कृष्टुलकट्टी लावक मषल विहृषिगा ॥ ॥ क नति
 षर्प न. मा नरुद नि. म कूट कं ग दिगं व ना २ नृष्टु मा लख
 डांक मष्टिगा ला लुजि का लयंक ना ॥ ॥ तु क्का द विज
 क नून का सय ल विज्व विया पिता २ तु रु व न न सि यंध
 त्रिया भू व धू व क र्क पा ग व यिया ॥ ॥ ना ग म धू म न

२३
 ३३

॥ गाल माप ॥ वरु ध न पंच वृद्ध म नि व न ना य. ग रु मा स न रु
 पत्स मडा २ म लु ल सुगु सं पा ध ना य. मा रु लि ख मि व ला व सा
 ला व स मं ॥ ॥ ॥ ग म ग्व न व रु म पु य च्छ रुं म हा म लु ल सुगु पा
 न या मि २ सिं हा स न रु ति नः पू र्क व रु द्य नि. भू ति म न स ख रु
 ल दाय नी ॥ ॥ न ल धू क पी न व र्क द कि ला व न क न. भू
 ग्व नू रा वि जि न २ म हा म लु ल रु मि सु ग म य रुं आ ला ति क

दहिममद्विसिद्धि॥

॥ २ ॥ नागमधूमन॥ गालजति॥

सुप्रतिमलुनमलुनवकुः उद्धितकृपता कविगालं २ सु
प्रतिनादितुनजमनकः नदनवगीतवनेधमनाहं॥

॥ ॐ ॥ ननाहं ननाहं ननाहं ननाहं ॥ ॥ पक्ववृद्धात्मक

सर्वज्ज्ञायं २ पम्पुनाठविरुदिव्यां ॥ ॥ यत्र हि न कुम

हासहनामा २ नृपं तुगीतवनेधमनाहं ॥ ॥ अवकया

नमसिद्धुहिकायं २ माधवनिमृधनत्ववनीयं ॥ ॥ या

धवनिवनवाधगुह्यं २ नृपनिदानहविरुद्वयं ॥ ॥

वृद्धनियनयदापविमृद्धितनवृद्ध २ वाधविरावनयान

विपनिनमिदं सकर्मननाहं ॥ ॥ ॥ ॥ नागदहाल॥ मा

याजालविद् सदसगनिना २ माहमायादयनद्धादिभमाया

माह ॥ ॐ ॥ नृपं सावन्नासावन्नागदधमाहद्धादिभमाया

निनशासा ॥ ॥ नमिषनयन इडकन विद्याश्चम
 निविकइक्षनपृथ्वद ॥ ॥ सहस्रसंलवय उदनागतध
 विद्याश्चसायनमवासननूवे ॥ ॥ नवधूवउदयवउ
 पायपुसादं २ गभवकिनिर्घपाहवचकनवधी ॥ ॥ गग
 न्मन्मनहेनवि ॥ धूमागनिवन्दुकनात्री २ हीषनपिंगल
 कगतिनवयन ॥ ५२ ॥ हजयियालरूरुनकलाति २

नानाविनूवमहावलिपूजा ॥ ॥ समयानरुकरु
 गागं वलिदेवि २ वरुनिवरुनिममकुलवयन ॥ ॥
 गिनकंकात्रद्वजावलि ॥ गहिय २ पृष्टिकनकं समकुल
 ॥ गहिय ॥ ॥ नोडमहावलिपितृवनगयन २ मेंद्वं
 मद्धमां सुत्रधिनानाध ॥ ॥

२१४५

ASHA 1911 53

2851 I

५/३

लोकां जाव

लोकां जाव ॥ जाव ॥ कमलासनस्थ गणेश धना
कनकमलं ॥ कला ॥ सहजानंद कालिका ॥ जाव ॥ नि
खिलजिनहृदयाद्वादसद्वत् ॥ कला ॥ नरकमंरु कमा
वा ॥ लोकां जाव ॥ नागभूषणरुचि ॥ गालचक्रं अत्रमाथ
॥ विश्वसनाग्रहविन्धुर्विवा २ मां कानवियापीतसुसंरुवा
॥ ध्रु ॥ नमामि श्शीतगीश्वरसयलमनिजिनहृदया

२ मां कानव

॥ २ ॥ विवासयिकूटांगममनोहवनसयलमनिजिनहृ
दया ॥ ॥ पीतनीलाग्रनभीतवयनश्चक्रजिनमकु
टमक्षितयन ॥ ॥ धर्मवकुमडाकलिसनामिश्रयक्ष
वापयिपुस्तकवनस्थसं ॥ ॥ सुवासवनमिगतवक्
त्रलेश्वरनयिपत्रमादिवक्त्रजिनपुस्तकयन ॥ ॥
नागरुचि ॥ गाल ॥ माध्वमन् महाभक्तिवक्त्र

जिगः पूर्वविदहं वदीयं १ अथ न लग्नाय निउरुन कृन्
रुवनः पक्ववर्कः पक्वजिन बापियाल ॥ ५ ॥ नमपक्व
वृद्ध ॥ विश्वशीजिन विश्वहित विश्वरुत पक्वमृति १ अथ
दियानवाः वहतिजिन मानसाः रुनकुहयतिमि नद्य न ६
धान्न ॥ ॥ ज्ञातवदन लग्ना उपदिय ना उपदीय ज्ञा ६
गुदान १ स न ना उपदीय च उ विदिग रुवनः वा उपदी

पशीखुपत्रम् ॥ ॥ दिनदवनयावियः न न न धिन
यावियः सफमृष्टादवन वं विया न १ अथ ना उ दिविताय
वकुमक्षिकुसुमनिधिन निखिन वदयति ॥ ॥ गुन
चत्र (६) निव न संलग्निय त्रिहावनाम न कसुम उ
दन संय त्रिपूजा १ पुष्पवय त्रिहावः सफप त्रिपूजिन रु
वज्रल निधिसुउरुत ॥ १ ॥ नागयद्माग लि ॥ ता ल

ॐ
ॐ
ॐ

सांज्ञिकि॥ मनीलमूनलजलजाहवमाज्ममममधुल
वकनायाश्वजयंजलसत्रजालसंयत्रिरुनीममममधुल
वकनाया॥ ॐ ॥ उमनरुद्रयिया॥ मुन्यकनूदभा
लिंगनहन्वद्रुद्रयियाश्वजवावाहीभासिंगलसम
नद्रुद्रयिया॥ ॥ इति संवीनवीश्वनरुद्रिगहिगहि
गहिगहि समसाने २ मूनहनसर्वदववजवादसदवि

ॐ
ॐ
ॐ

मिन्नतिवयनसंहावे॥ ॥ विहवनरुद्रयकहवाला
विहवनरुद्रयकविनविनाशदिनिहवननवनानकय
साविनरुद्रयमोनगयनसंहावे॥ ॥ अहिनिशिगतयु
नृवालगुलागलच्छादिगलरावाअलावशजनामनक्ष
रयवधनच्छादिगलरुलियावयकाकावा॥ ॥ वाग
ललित॥ नासज्ञिकि॥ अनुरुद्रयवावंकानरावन्नद

हे कानमनुष्यास (अधन वजासन स्थापित विपाक कलशं) ॥ ७
नूप विनिग विविग कलशं २३ आरु कानः वजा मृगम
दकं सफ सं (अधित हाना मृगमयं) ॥ ४ ॥ वजा मृगम
वाधिरु लदायकं सर्व दिन व्यापित सहज कलशं २३ ग
ममज्ञः (अधित शुन्य क नृधम हवं संसा नना सन विनरु
नूपं) ॥ ॥ वरुप नमानु समय गंधा वसंयक संखसन
स्थापित विपं वपीयुवं ॥ ॥ यटम हन कनः नफन

परावं आरुगं मद्या कि निरुल नूपं २३ निहि सा धन संद
वताचक हान सत्व मानिय हदि रुकि नक्षं ॥ ॥ पायादि
मावनं दान नूप न स मय च क पु व शिग विमर्द कलशं
२ महा नागद विलय वाधिविरु नूपः समय सत्व हान व
कमकी रुतं ॥ ॥ नागमाला ॥ ॥ नृगं गम संधन वद
नागं स्वर्क पला (अधु रमान गतं संग्राम ह मो विवः

२ नकुवन्क ७

लंयनासिनातायमक्कि किलकास्यपन॥ नागनाट॥ ना
लमाथ॥ नकुवन्क विहित्तायनसुदत्रि २ म्मादसह
रूपहनकाकिन॥ ५॥ ॥ उक्ताद विवान्निमामकिद
वि २ गगनपुमादि नमयनसुत्रंग॥ ॥ आगमवेद
प्राप्तवधान २ आगधनमदि कागु नउपद॥ ॥
पक्ववृद्धनमकयिस्त्रूपकउक् २ सहसुजागिलिलेया

२ नकुवन्क ७

हन्वन् हन्वन्॥ ॥ सनगुनवन्क गिल्यंगनधत्रि
या २ हनयिस्त्रनवजसुत्रासुत्रसुत्रपि॥ ॥ नागम्
धनहेत्रवि॥ गालरुमि॥ लम्कदहनपक्वहानसुत्रप
२ पक्वमिया नमपक्व गालियुजियाले॥ ५॥ ॥ उक्ताद
विवत्तिनायालिरुवनहिन् २ वीनमयिपकसमयानन्द॥
॥ ॥ वीनं वीनम् नसहजानन्द २ कनकमलावर्तहृद

१ नमः
२

यानये॥ ॥ पञ्चवद्वपञ्चसु नृपदवाहनः
न नयमदिगहदया॥ ॥ उ श्रु खल्लधयामिने
उमनृपसुधनिविनमानये॥ ॥ जागमाता॥ वीला
हृह श्रास नदं गस्यामाः पीतासुस्यावतु नाननास्याः मृषा
दिवायसुविनादियूजाः धूपादिधूमनं कलगीतगालि॥ ना
गहनेवि॥ गालजाप॥ नमस्कृता नृपदहधनृ २ संकृति

१ विष्णु
२

सत्तुङ्गा नमः॥ ॥ ॥ गनार्कं कं कं गनार्कं कं॥ ॥
धवलसुसाधिनदहधनृ २ सनदसुसाहियवधुमनृ
॥ ॥ मायावृन्दनरुगनगुनृ २ साहियकनृधसत्तुम
कं॥ ॥ दंदाभालिङ्गक्षयागधनृ २ वज्रवधुमूढाधनृ
॥ ॥ नागमधुमन॥ गालजाप॥ विष्णु नृपविशसि
मलुलमाकः किति शानयेमृ नृविधवा २ वज्रवावाहिना

लिंगलसंवदः नाना नस्मि मही कृत्वा ॥ ध्रु ॥ गंगा दूंदू गंगा
 दूंदू दूंदू गंगा मायिका दूंदू गंगा दूंदू ॥ ॥ नीलवर्णवपु
 नवकुपुतिमुखविनेतनः यत्र मानदमृन्निधना रविः
 ज्यवज मूर्ध्ववदुः शठमकुठधनाः हाउ मातृनलसु
 लमहिता ॥ ॥ वज्रयलुगजवर्म उमन्त्रय द्वांगधनाः
 वित्रमानदमृन्निधनाः २ कनतिकपालधनाः यत्र स्या

२७ मदिग ॥

गधनाः त्रिसूत्रवृक्ष कपालधना ॥ ॥ दिगं विदिगं का
 कास्यादिगयमदाठिया लः सहजा मानदमृन्निधना रन
 मामिनमामिशीवक संवतः सतगुन्व नल मायिका ॥ ॥
 नागमधूमत ॥ कालजाप ॥ पुम्दितमादिदश हूमिस्त्रि
 सनमन्मधुलमनहिगलयना रदादश हजवडे वदनस
 लमलावजवा नाहिकल्लु मा लिंगमा ॥ ध्रु ॥ दूंदू दूंदू दह

दिहुरुत्तनेमा नस्यत्र संवाधियाल २ दंदाभालिंगमश्रुद
 यसंलावः नावयिदानसंव नवाया ॥ ॥ कलिसद्युग
 नवममिष्टूलकनमिठमनृशुभाहिता २ मफपनिसक
 पालखद्वांगपागपननृवृक्षनिगंगधवा ॥ ॥ पंवकिन
 वनमकृढभालंकृतषडमृदाभाहनक्षरुषिता २ आलिका
 लिदयिनिभालिदवापयियाद्युवनमनिवासनरुप्र

६॥ तनू ॥ ॥ ननगिलसमालालंवाशीसंव नदियवक
 णिनिकनृक्षहिया २ ननमरु नमरुशुपायसनलग्न
 वकिपनमादिवरुगिता ॥ ॥ वागहनवि ॥ गाल
 नति ॥ ॥ अहं आहं रुद्रमृकखाहा मरुविलमषडवा नृन २
 पूजापूजिकपूजसंलावः सत्वनृयसंहवनुल ॥ ॥ ॥
 खखखाहिखाश्रुतिवलिपूजा लयघवातयथा नयवि

॥ सर्वतथागतपूजनया लयातयामि पापनश्य
 र्थं पाजदिक्रियनिवर्हि क मल कलिसपत्रिजामल ॥
 ॥ कुसुमउदकमकुटासनिकमलाजिनकुलयासमया
 वार्यपदं २ मकुर्जनदर्यनसुत्रकपदशवलुगमिपदलाम
 ल ॥ ॥ नमामिश्रीवक्रसंवत्रगुनवाक्कदधध्वनियार
 सगुनवत्रलकमलपुगायभूनलनसिद्धिमपदं ॥ ॥

दे
 दि
 का
 १४

नागरास ॥ नालरुमि ॥ उदिता^नलनयापवनद्विगा २ व ल
 (मसुदामयकं कालसुनना ॥ ५ ॥ धानद्वललावनिहा
 वनिगा २ मुखयनित्रंजनमाक्षरुता ॥ ॥ दिनकनमलु
 लमधगगा २ कनूक्षमृननसंभवकुता ॥ ॥ दग्धभालि
 रयपुमिनिहंता २ दवासुननसिधनमिगा ॥ ॥ गभवन्ति
 पवनपत्रियुनृगगा २ श्रीवक्रवावाहिगुहगीलनमिगा ॥

१७७
२७७
३७७

॥ ॥ नागमूहति ॥ गालमा ० ॥ हाउ आर नलक्रियायि
नसंव नधनयिकवालि नवेषा २ तुक्क इदाग मदि नमसा
नमकूटकगदिगम्यना ॥ ५ ॥ ननमानुसम्व नयायास
समनसुद निमानुकात्रा २ रुमविनाहिवजवा नाहि रुउम
हिमानुसाना ॥ ॥ गलिलाय नव नससुद मयन कर्प
नरुतयि कम्वाला २ गगलनिलावर्क वधि नजा जम नम

२७७
३७७
४७७

सुतहवलीना ॥ ॥ तीयं धनूष द्वां गच्छादिगलसम ६
तपयिसयि सुनरहात्रा २ रुमविनाहि रुक्क विनूद विमि
मूक्षना ॥ ॥ गवकिनिलावर्क वजगागिनिसतगुन
वजल आवाध २ समया आनदे रुलिगल मलु लसम्व न ६
वजवा नाहि ॥ ॥ नागक क्कादि ॥ गालखकंगल ॥ नूव
ननिहित वामजानूल सख खं कि नक्षमानुसतासा २ नाग

इषमाहवधिपपागपिहवनवायाभूवलवीना॥ ५॥
 नमामिशीवलुमहावाषलजातमृत्युनिहृदिता२विश्वनाथ
 विश्वयापितविनविक्रमहाकाधवायाजातमृत्युनिहृदिता
 ॥ ॥ मृतिविषनादउग्रपुचलु॥ इहकवायाविद्युनिकि
 नम२पीठिनमूधनाककवनयनावेनिसंगसावाखरुस
 नम॥ ॥ माधवमायापुनधुनवक्रावृडपिभवापा

५
 ३
 ३
 ३
 ३

दहनक्ष२समनसमायागागविमाहाः हानवागसमाहि
 नदेहा॥ ॥ नलोहनक्षपुहलितमोलिकयूननोप
 नमूननकावा२सूननननागभवदिनवनक्षवायस
 नमूनमूवनवीना॥ ॥ वागकनदि॥ गालुगति॥
 नीलकंकात्रपुहलितकिनक्ष२उईपिहलकंगधीवज
 वाया॥ ५॥ नीलवर्षदविकननिकपालधनिया२

三

वि. १८

खनकवनलश्मकूठकंशदिगं वना॥ ध्रु ॥ तना
 कूं कूं तना कूं कूं ॥ ॥ वामकवाठकदहिनकनति
 २हाउ आतनकुं (श)हिता॥ ॥ सूर्यामधुलमा
 ऊगांदवमूनी श्वरूमधिरुसू (श)हिता॥ ॥ स
 मगुनवनलसिचंगनधनिया २गीवऊकागिनि
 वनलसुनल॥ ॥ नागमाहव॥ नालरुनि॥ नि

रतिरुत्तर १८

जंतुव भूवधूवह नूवनाया शृणी हगगमनकागिनिप
यिः ॥ ध्रु ॥ आनन्दादिदवाक्कलिआनन्दादिद
नावयिह नूवमनसासंपूर्ण ॥ ॥ एकसिगहिरुव
निर्जंकुलह नूवह संवनी मूनंकां किं न निंवां जंनं
॥ ॥ पयिं गयिं गयिं म्मिं म्मिं दं यं सं जालं २ नूव उं यं गिं नि
मं जं लं गीं नं ॥ ॥ यं स्रं नीं यो निं लो नीं वी नीं वं नो सिं २

रगवनी मूनंकापिवयिसं गक ॥ धीदादिया नरुल
यिवद्यालि २ गीन मूनंकाकि न निवा जंनं ॥ ॥ म्म
लिकालिद यिनालध नरु २ की दं गिक मल कुलि गवा
जंनं ॥ ॥ पयिं गयिं गयिं म्मिं म्मिं दं यं सं जालं २ नूव उं
यागिनी मंगलगीन ॥ ॥ यं स्रं नीं यो निं लो नीं वी नीं वं नो सिं २
वी नीं वं नो सिं २ लपन व उ स म ह नूव वा ला ॥ ॥

२० ॥ आग हे न वि ॥ माल रु ति ॥ वि वि हं वि ह न ल मा न वि
 ॥ सि व द न २ दे व न न म् स न ग न ह व न ह रु क न् वा ॥
 ॥ ५ ॥ ना व यि ल न मा मि धी सं व न वि ला १ व ज्ज मा मि
 नी न गि ल मा या स म न स गृं ग न् वा ॥ ॥ व ज्ज वा ना हि
 म्मा लिं ग न कं १० १ रु नि सं वी नं वि नं म् व न स म न स ल म्
 सि ॥ ॥ ल म् क द ह न वि म् म हा स ह रु क नं १ रु न् वा

नूनलायनलायनविषकं ॥ ॥ द्वादशतुल्य
 त्रिप्रवात्रिप्रउवदनं नीलसंज्ञवेनगगधुतुली
 लीला ॥ ॥ गगमात्रा ॥ गाल ॥ ॥ नगासूता
 कान्तपथापनिष्ठा मूपादयन्ति मृदुपथनं ना २०००
 रुमयत्रितदृष्टिपाताः ॥ गगमादिका लथकत्रिपदि
 स्ता ॥ ॥ गगमादिका लथक ॥ वक्रिकुल्लक ६
 गी १

स्त्रिंशत्कर्मस्वतन्त्रविनयीवन्धुलननमिलमा
 ला २१ नत्रयक्रियक्रियैयारुस्मवित्पित्तगगलपुव
 भूलिनाया ॥ ॐ ॥ पुस्तसमिह ननयमावका नाया
 रुगनाथगीसमननाया ॥ ॥ वज्रकनाटकहाथ
 धनियाकंथक्रियावृषडांग २ संरुतजागितिकमले
 विहासिगलमहास्वमेनिपुसादं ॥ ॥ वज्रवावा

हिमालिङ्गसंवननावयिवरुविकुलरंण २ वाकृति
 कोलायाकृदकिह न्वमृद्धरुवरुलनपुसादं ॥ ॥
 सहस्रसंविनिलेयागभविककर्मपालह न्वववनवपु
 सादं २ पुस्तसमिह न्ववनीलवर्कविनासयिगुन्य
 कनूमा ॥ ॥ वागरेनवि ॥ गजजिनउद्धकहाथ
 धनिकमलकृतिस्मृगुवाला २ उमनकननिकूयन

२१
 २२
 २३

विमूलायामखड्गकपालधरा॥ ५॥ श्रीसमना
 यायाचकलितुङ्गगुलिनाश्मानयिलेवापियालेमाया
 सहजसूतारवकुलीना॥ ॥ पागवकुम्भदकदा
 दगहाथधनियाउननगिलमालाश्नीलाहिनकनका
 पयिवउमुखमृतिविकला लधना॥ ॥ मालीदप
 यारैनववापयिलेनकासिला मृतिविनमडाश्वि

२३
 २३
 २३

मकुलिसमूर्ध्ववदङ्गदङ्गवाद्युवर्मषठमडा॥ ॥
 दृष्टिसविनविनम्वननायकतिनिचक्रमहाविनवि
 नाश्कनूतगृम्भनविनविनम्वनरुजयसयलसंसा
 नधना॥ ॥ नागमालव्यागाल ॥ ॥ वज्रिधा
 जीवनालीचक्षुमालीश्सिंधिनिद्यांघिनिजम्कडो
 किनि॥ ५॥ नमामिथीयागम्वनहानयनीयाश्